Awards to Indians by Soviet Embassy

1602. **Shri Ram Harkh Yadav:** Will the Minister of **Education** be pleased to state:

(a) whether a large number of awards and prizes were given by the Soviet Embassy on the 76th Birth Anniversary of Shri Jawahar Lal Nehru to the Indian authors, Journalists and children;

(b) if so, the details of the awards and their winners; and

(c) the object of the awards?

The Minister of Education (Shri M. C. Chagla): (a) to (c). A statement is laid on the Table of the House. [*Placed in Library. See* No. LT-5281/65].

Lubricating Oils Produced and Imported

1603. **Dr. P. Srinivasan;**
Shri Madhu Limaye:

Will the Minister of **Petroleum and Chemicals** be pleased to state:

(a) the total quantity of the various lubricating oils produced in India at present and their value;

(b) the total quantity of the lubricating oils imported at present and their value;

(c) the optimum yearly production of these oils after the proposed ESSO and Mobil-IOC Plants go into production and when this level will be reached; and

(d) the approximate import bill for the lubricating oils after the optimum level has been reached?

The Minister of Petroleum and Chemicals (Shri Humayun Kabir): (a) to (c). The information cannot be disclosed since it is restricted under the Defence of India Rules, 1962.

(d) Production of lubricating oils at the end of the 4th Plan is expected to cover a substantial part of our requirements, and imports will accordingly be marginal.

'ज्ञान सरोवर' का प्रकाशन

1604. श्री सिद्धेश्वर प्रसाद :
श्री लखमू भवानी :
श्री वाडीवा :
श्रीमती श्याम कुमारी देवी :

क्या शिक्षा मन्त्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या शिक्षा मन्त्रालय ने 'ज्ञान सरोवर' प्रकाशित करने की कोई योजना बनाई थी ;

(ख) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है ;

(ग) इसे प्रकाशित करने का काम किस तिथि को और किस समय दिया गया था; और

(घ) अब तक 'ज्ञान सरोवर' के कितने खण्ड प्रकाशित हो चुके हैं, तथा उस पर सरकार द्वारा कितनी राशि खर्च की गई है और शेष खण्ड कब तक प्रकाशित हो जायेंगे ?

शिक्षा मंत्री (श्री मु० क० चागला) : (क) जी, हां ।

(ख) और (ग). हिन्दी विश्वकोश 'ज्ञान सरोवर' के निर्माण, संकलन और प्रकाशन से सम्बन्धित कार्य एक प्राइवट शिक्षा संस्था को जुलाई 1952 में सौंपा गया था । समझौते की शर्तें संलग्न विवरण में दी गई हैं ।

विवरण

मकतबा जामिया (जामिया मिलिया इस्लामिया) द्वारा निम्नलिखित कार्य करने की आशा की जाती थी :

(क) ज्ञान सरोवर के प्रकाशन की व्यवस्था; और

(ख) भारत सरकार के आदेशानुसार इस की बिक्री ।

2. जहां तक 'क' का सम्बन्ध था, मकतबा को भारत सरकार द्वारा गठित समिति के निर्णय का पालन भारत सरकार द्वारा बताई गई निम्नलिखित बातों के लिए करना था :

(1) कागज की किस्म और आकार;

(2) टाईप के अक्षर और आकार;

(3) पुस्तक की बाह्याकृति, जिल्दबन्दी आदि का वास्तविक ढांचा;

(4) प्रत्येक खण्ड की मुद्रित की जाने वाली प्रतियों की संख्या;

(5) मकतबा को पाण्डुलिपि देने तथा उसके प्रकाशन के बीच का समय;

(6) छपाई की दरें।

जहां तक 'ख' का सम्बन्ध था, मकतबा को निम्नलिखित कार्य करने थे :

(अ) सरकार के लिए विश्वकोश की मुद्रित प्रतियां तीन वर्ष तक मुफ्त जमा रखना; और

(ब) निम्नलिखित बातों के सम्बन्ध में भारत सरकार के आदेशों का पालन करना :—

(1) निर्धारित शर्तों के अनुसार व्यक्तियों अथवा संस्थाओं को प्रतियां भेजना;

(2) विश्वकोश का मूल्य, बिक्री एजेंट, बट्टे आदि सहित इसकी बिक्री का तरीका।

(3) विश्वकोश से सम्बन्धित प्रचार मकतबा जामिया के प्रशासकीय नियन्त्रण एक लोकप्रिय विश्वकोश निधि भी बनाई गई थी। मकतबा को, भारत सरकार से प्राप्त सभी रकमों और विश्वकोश की बिक्री से प्राप्त रकम का हिसाब अलग अलग रखना था और विश्वकोश निधि से उतनी ही रकम निकालनी थी, जितनी के लिए भारत सरकार द्वारा समय समय पर इजाजत दी गई हो। सरकार ने यह अधिकार अपने पास सुरक्षित रखा था कि वह विश्वकोश निधि की रकम को ध्यान में रखते हुए, समय समय पर लिए गए निर्णय के अनुसार उस रकम को वापस करने के लिए मकतबा को आदेश दे सकती है।

(घ) ज्ञान सरोवर, खण्ड I, खण्ड I, (दूसरा संस्करण) और खण्ड (ii) प्राइवेट संस्था द्वारा प्रकाशित किए गए थे। खण्ड (iii) की पाण्डुलिपि उस संस्था द्वारा तैयार की गई थी किन्तु वास्तव में यह सूचना और प्रसार मन्त्रालय के प्रकाशन प्रभाग द्वारा प्रकाशित किया गया है। इन खण्डों पर 2,05,396.87 रु० खर्च किए गए हैं। शेष खण्ड सूचना और प्रसार मन्त्रालय द्वारा यथा समय प्रकाशित किए जायेंगे।

Sabotage Plan of Pak Chancery, Calcutta

1606. Shrimati Tarkeshwari Sinha: Will the Minister of **Home Affairs** be pleased to state:

(a) whether Government are aware that large bulk of papers were burnt in the Pakistan Deputy High Com-